

पाठ 3

1. परमेश्वर ने अपनी पुस्तक में सबसे पहले कौन से शब्द लिखे हैं?

-पहले शब्द जो परमेश्वर ने अपनी पुस्तक में लिखे हैं, ये हैं: "शुरुआत में।"

2. परमेश्वर के पहले शब्द, "शुरुआत में" क्यों हैं?

-क्योंकि परमेश्वर चाहता है कि हम जानें कि सभी चीजों की शुरुआत हुई थी।

3. शुरुआत से पहले, क्या कोई नदियाँ या झीलें थीं?

-नहीं।

4. शुरुआत से पहले, क्या कोई पहाड़ या पेड़ थे?

-नहीं।

5. शुरुआत से पहले, क्या कोई सूर्य, चंद्रमा या तारे थे?

-नहीं।

6. शुरुआत से पहले, क्या जानवर या पक्षी थे?

-नहीं।

7. शुरुआत से पहले, क्या पृथ्वी या आकाश था?

-नहीं।

8. शुरुआत से पहले, गोरे या काले लोग थे?

-नहीं।

9. शुरुआत से पहले, क्या आत्माएं थीं?

-नहीं।

10. शुरुआत से पहले जीवित रहने वाला एकमात्र व्यक्ति कौन था?

-परमेश्वर।

11. क्योंकि शुरुआत से पहले केवल परमेश्वर रहते थे, सब कुछ से बड़ा कौन है?

-परमेश्वर।

12. क्योंकि शुरुआत से पहले अकेले परमेश्वर रहते थे, अकेले हमें शुरुआत के बारे में कौन बता सकता है?

-परमेश्वर।

13. परमेश्वर की शुरुआत कब हुई?

-परमेश्वर की कोई शुरुआत नहीं है।

-परमेश्वर हमेशा रहते हैं।

-परमेश्वर शाश्वत हैं।

14. क्या किसी ने परमेश्वर को जन्म दिया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत हैं।

15. क्या परमेश्वर ने परमेश्वर को जन्म दिया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत हैं।

16. क्या किसी ने परमेश्वर को बनाया है?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत हैं।

17. क्या परमेश्वर ने परमेश्वर को बनाया?

-नहीं।

-परमेश्वर बस शाश्वत है।

18. क्या कभी ऐसा समय था जब परमेश्वर नहीं थे?

-नहीं।

-परमेश्वर हमेशा जीवित रहे हैं।

-परमेश्वर हमेशा जीवित रहेंगे।

19. लोगों को जीने के लिए भोजन और पानी की आवश्यकता होती है। परमेश्वर को जीने के लिए क्या चाहिए?

-परमेश्वर को जीने के लिए किसी चीज की जरूरत नहीं है।

20. परमेश्वर कैसे रहते हैं?

- अपनी शक्ति से।

-आप क्यों सोचते हैं कि परमेश्वर को खाने के लिए भोजन और पीने के लिए पानी की आवश्यकता नहीं है?

-क्योंकि परमेश्वर के पास लोगों की तरह शरीर नहीं है।

- आपको क्यों लगता है कि परमेश्वर को देखने के लिए सूर्य की आवश्यकता नहीं है?

-क्योंकि परमेश्वर के पास लोगों की तरह शरीर नहीं है।

- आपको क्यों लगता है कि चलने के लिए परमेश्वर को पृथ्वी की आवश्यकता नहीं है?

-क्योंकि परमेश्वर के पास लोगों की तरह शरीर नहीं है।

- क्या परमेश्वर के पास मांस है?

-नहीं।

-क्या परमेश्वर के पास हड्डियाँ हैं?

-नहीं।

- क्या परमेश्वर के पास खून है?

-नहीं।

-परमेश्वर के पास मांस, या हड्डियाँ या रक्त नहीं है।

-अगर परमेश्वर के पास मांस, या हड्डियां या खून नहीं है, तो परमेश्वर क्या है?

-परमेश्वर आत्मा है।

-इसका क्या अर्थ है कि ईश्वर आत्मा है?

-यहाँ एक दृष्टांत है:

- क्या आप हवा देख सकते हैं?

-नहीं।

-लेकिन क्या हवा है?

-हां।

-जैसे आप हवा को नहीं देख सकते, वैसे ही आप परमेश्वर को नहीं देख सकते।

-लेकिन जैसे हवा मौजूद है, वैसे ही परमेश्वर भी मौजूद हैं।

-भले ही आप परमेश्वर को नहीं देख सकते, वह वहां है।

-परमेश्वर कहाँ है?

-केवल परमेश्वर ही बता सकते हैं कि वह कहाँ है।

-परमेश्वर अपनी पुस्तक में कहते हैं कि वह हर जगह है।

-परमेश्वर कहते हैं कि वह हर समय हर जगह है।

-परमेश्वर आकाश में है।

-परमेश्वर भी धरती पर हैं।

-परमेश्वर भी अभी अमेरिका में हैं।

-परमेश्वर भी अभी एशिया में हैं।

-परमेश्वर भी अभी यूरोप में हैं।

-परमेश्वर अभी यहाँ है।

-परमेश्वर हर समय हर जगह है।

-क्या कोई व्यक्ति एक ही समय में अमेरिका और अफ्रीका में हो सकता है?

-नहीं।

-क्यों नहीं?

-क्योंकि लोगों के पास एक शरीर है।

-क्योंकि लोग एक समय में केवल एक ही स्थान पर हो सकते हैं।

-परमेश्वर हर समय हर जगह हो सकते हैं क्योंकि परमेश्वर के पास शरीर नहीं है।

-ईश्वर हर समय हर जगह हो सकता है क्योंकि ईश्वर आत्मा है।

-परमेश्वर हर समय हर जगह है।

-यदि आप अपने घर में जाते हैं, तो आपके साथ कौन है?

-परमेश्वर।

-यदि आप अपने क्षेत्र में जाते हैं, तो आपके साथ कौन है?

-परमेश्वर।

-अगर आप अपने दोस्त से मिलने जाते हैं, तो आपके साथ कौन है?

-परमेश्वर।

-परमेश्वर हर समय हर जगह है।

-परमेश्वर से छिपने के लिए हम कहाँ जा सकते हैं?

-हम परमेश्वर से छिप नहीं सकते।

-क्योंकि परमेश्वर हर समय हर जगह हैं, क्या हम परमेश्वर से छिप सकते हैं?

-नहीं।

-अगर हम पहाड़ की चोटी पर छिपने की कोशिश करते हैं, तो क्या हम परमेश्वर से छिप सकते हैं?

-नहीं।

-परमेश्वर हर जगह है।

- अगर हम अपनी झोंपड़ी के कोने में छिपने की कोशिश करें, तो क्या हम परमेश्वर से छिप सकते हैं?

-नहीं।

-परमेश्वर हर जगह है।

-अगर हम झाड़ी में छिपने की कोशिश करते हैं, तो क्या हम परमेश्वर से छिप सकते हैं?

-नहीं।

-परमेश्वर हर जगह है।

-बहुत कोशिश करने पर भी हम परमेश्वर से कभी नहीं छुप सकते.

-क्यों?

-क्योंकि परमेश्वर हर समय हर जगह हैं।

-कुछ लोग सोचते हैं कि ईश्वर हर जगह है क्योंकि वह हर जगह दौड़ता है।

-यह सच नहीं है।

-कुछ लोग सोचते हैं कि परमेश्वर हर जगह हैं क्योंकि परमेश्वर के पास एक बड़ा शरीर है जो पृथ्वी को भरता है।

-यह भी सच नहीं है।

-कुछ लोग सोचते हैं कि ईश्वर हर जगह है क्योंकि ईश्वर पूरी पृथ्वी पर विराजमान है।

-यह भी सच नहीं है।

-परमेश्वर की किताब कहती है कि ईश्वर आत्मा है, और वह हर समय हर जगह है।

-परमेश्वर जैसा कोई नहीं है।

-परमेश्वर ही एक है जो हर समय हर जगह मौजूद है।

-हम जहां भी जाते हैं, परमेश्वर वहीं होते हैं।

-परमेश्वर हमें हर समय देख सकते हैं।

- कितने परमेश्वर हैं?

-ईश्वर केवल एक है।

-परमेश्वर अपनी पुस्तक में कहते हैं कि वह एक है।

-परमेश्वर एक है, और फिर भी वह तीन व्यक्ति हैं।

- वे तीन व्यक्ति कौन हैं जो एक ईश्वर हैं?

- गाँड फादर, गाँड द सोन और गाँड द होली स्पिरिट।

-ईश्वर ईश्वर पिता है।

-ईश्वर ईश्वर पुत्र है।

-परमेश्वर परमेश्वर पवित्र आत्मा है।

- परमेश्वर पिता, परमेश्वर पुत्र, परमेश्वर पवित्र आत्मा सभी समान रूप से ईश्वर हैं।

-जैसे-जैसे आप ईश्वर के बारे में अधिक जानेंगे, आप समझेंगे कि ईश्वर एक है, और फिर भी वह तीन व्यक्ति हैं।